

वरुणं राजानमुपधाव 7, 14, 16. ÇAT. Br. 1, 6, 2, 7. fgg. 7, 4, 8. 3, 2, 2, 3. PĀṆĀV. Br. 12, 13, 4. ÇĀṆEH. ÇR. 14, 7, 4. KĀND. UP. 1, 3, 8. fgg. BĀĠG. P. 4, 7, 38. 8, 74. 5, 3, 13. 18, 1. 8, 1, 11. — med. laufen, gleiten: विश्वेषां त्मना शोभिष्ठमुपैव दिवि धावमानम् RV. 8, 3, 21.

— समुप herantlaufen an: दमयतो तु यं हंसं समुपाधावदत्तिके MBh. 3, 2097.

— निस् 1) hervorströmen, entspringen: सदानिरित्युत्तराद्विनिर्धावति ÇAT. Br. 1, 4, 4, 14. — 2) hinauslaufen, hinausseilen, entrinnen aus HARIV. 11020. यज्ञास्माद्गवस्त्रैधातुकानिर्धाविता निर्वीणासंज्ञिनो वयं च जराजीर्णाः SADDH. P. 4, 6, a.

— परा weglassen: परा ह्रीन्धु धावसि वृषाकपेरिति व्यथिः RV. 10, 86, 2.

— परि 1) umherfließen, umherrinnen um, in MBh. 3, 7367. इन्द्रो पत्पवित्रं परिधावसि RV. 9, 24, 5. अथ्यो वारे परि धाव मधु प्रियम् 86, 48. परि ते धारो सुतस्य धावति 100, 4. परि तं सरस्वती समतं पर्यधावत् AIT. Br. 2, 19. कुपितानो देयाणां शरीरं परिधावताम् SUPR. 1, 91, 5. — 2) herumlaufen: परिधावन्नय नल इत्येतश्च MBh. 3, 2350. 2597. 16, 278. HARIV. 16004. R. 2, 33, 19. 61, 10. 91, 60. 3, 73, 40. PĀṆĀT. 62, 23. BĀĠG. P. 3, 17, 11. 5, 14, 8. med. MBh. 1, 6197. 3, 2374. R. 4, 47, 16. ग्राह्यं पानं परिधावतां भवान् herumfahren MBh. 4, 302. मृग्याम् auf der Jagd herumlaufen, jagen; act. MBh. 1, 4596. 3, 12373. R. 5, 30, 8. herumlaufen um (acc.), sich um Jmd herum bewegen, umlaufen ▲ V. 20, 136, 10. (प्रु-क्रः) भुवनं परिधावति MBh. 1, 2607. तो नराः परिधावतः 4, 246. ध्रुवं मेरुं च प्रदक्षिणेन परिधावता सह परिधावमानानाम् BĀĠG. P. 5, 22, 2. med. auch MBh. 3, 437. 8692. 5, 4027. 13, 1938. HARIV. 2053. R. 4, 31, 25. herumlaufen in, durchlaufen: दारको परिधावति MBh. 16, 57. R. 6, 11, 38. कश्चित् मन्त्रितो मन्त्रो न राष्ट्रं परिधावति (vgl. u. अनु 1) MBh. 2, 163. med. 13, 4091. R. 3, 50, 13. — 2) herbeilaufen: परिधाविष्यति PĀṆĀT. 146, 15. nachlaufen: आकाशेन गच्छतस्तान्मूलस्थो लुब्धकः पर्यधावत् 106, 7. पयोः पदवीं तदनुचराः परिधावतः BĀĠG. P. 5, 9, 14. — caus. umringen, umzingeln: असीनादाय शक्तीश्च भार्गवं पर्यधावन् MBh. 14, 828.

— विपारि herumlaufen R. 5, 36, 38. संतिष्ठत प्रकृतं तूर्णं विपरिधावत MBh. 3, 15716. 7, 4374. 4984. रवैर्विपरिधावद्भिर्गजैश्चैश्च 4711. 4207. 9, 1508. herumlaufen in, auf, durchlaufen: धात्रा विहितभद्राणि सर्वभूतानि मेदिनीम् । लोके विपरिधावति रत्नितानि स्वकर्मभिः ॥ MBh. 12, 10629. दैत्यो वृषभरूपेण गोष्ठान्विपरिधावति HARIV. 4105.

— प्र hervorrinnen, fortrinnen; fortlaufen, sich aufmachen, sich auf den Weg machen: प्र नूनं धावता पृथक् RV. 8, 89, 7. तेभ्यो मधु प्रधावति 10, 154, 1. रेतः ÇĀṆEH. ÇR. 3, 8, 27. उदकसंचयः सर्वतः प्रधावति SUPR. 1, 81, 9. गृहीधं किं प्रधावत MBh. 3, 2548. R. GORR. 1, 53, 21. BĀĠG. P. 6, 10, 30. यद्वयान्मृत्युः प्रधावति 8, 2, 32. दुपदः कौरवान्दृष्ट्वा प्राधावत समततः MBh. 1, 5457. न प्रधावेच्च वर्षति auch laufe er nicht beim Regen M. 4, 38. समुद्रपारं यदि वा प्रधावसि । तथापि तेभ्यो न विमोक्षमर्हसि laufen zu MBh. 4, 428. पुनर्धात्री पुनर्गर्भमोजस्तस्य प्रधावति JĀĠN. 3, 82. मृग-तृक्षो प्रधावति BĀĠG. P. 4, 29, 20. सा श्रीर्नीतिविदो वेषम चक्षलापि प्रधावति HIT. IV, 49. मनो हि मे दूरतरं प्रधावति in weite Fernen sich begeben MBh. 3, 16787. नीलोत्पलसमो गन्धो यस्याः क्रोशात्प्रधावति sich verbreiten 1, 6400. प्रधाव्य losstürzend KATHĀS. 18, 333. durchlaufen, durchdringen: न वास्थापनवित्तमन्त्रमग्निः प्रधावति SUPR. 2, 220, 2. par-

tic. प्रधावित davongelaufen, der sich aufgemacht hat: ततः प्रभया सक्तसाम्नामूः सा पाण्डवी तेन नराधिपेन । दिशश्चतस्रः सक्तसाम्ना प्रधापिता (sic) गतेन्द्रवर्गं तमपारयन्तो MBh. 9, 1074. R. 6, 79, 37. जगमूर्ध्वास्थानं प्रधाविताः 2, 103, 36. वनात्तरे तोयमिति प्रधाविताः (मृगाः) R. 1, 11. कुट्टानश्चाराकान्प्रधावितान् KATHĀS. 10, 124. PĀṆĀT. 103, 20. VET. 14, 2. 26, 12. PRAB. 112, 16. RĪĠA-TAR. 1, 144. 3, 205. प्रधावितमहं देवं पौरुषेण निवर्तये R. 2, 23, 21. — caus. wegfahren, fahren: रथमास्थाप प्रधावयं चकार ÇAT. Br. 11, 6, 2, 4. 2, 4, 4, 6. प्र वेयात् प्र वा धावयेत् TBr. 2, 3, 9, 9.

— अधिप्र herbeietlen aus (abl.): श्रुदा गिरिभ्यो अधि यत्प्रधावसि TBr. 2, 3, 9, 4.

— अनुप्र nachlaufen: मामनु प्र ते मनो वत्सं गौरिव धावतु पया वारिव धावतु RV. 10, 145, 6. तमेवानुप्रधावतः HARIV. 13491. ०धावित Daç. in BENF. Chr. 179, 16. — caus. nachfahren ÇAT. Br. 11, 6, 2, 5.

— विप्र auseinanderlaufen: (सेना) विप्रधावति वेगेन भीमस्याभिकृता शरीः MBh. 8, 3036.

— संप्र fortlaufen, forteilen: सैन्यानां त्वरतां संप्रधावताम् MBh. 3, 5148. 7631. fliehen 6, 4291. 5367. अभ्यत्रापि भगवन्मनो मे संप्रधावति hineilen zu, sich hingetrieben fühlen zu BĀĠG. P. 3, 7, 15.

— प्रति 1) zurücklaufen: उडुक्यं प्रति धावताम् AV. 19, 23, 1. — 2) auf Jmd (acc.) losrennen (in feindlicher Absicht) R. 6, 13, 26. med. 5, 36, 9. MBh. 3, 431.

— वि 1) hinrinnen durch, durchsickern: दृष दिवं वि धावति तिरो रज्ञांसि धारया RV. 9, 3, 7. अथ्यो वारम् 16, 8. 28, 1. 37, 3. 74, 9. रोमाणि 73, 4. वि पवित्रं धाव धारया 49, 4. 14, 4. 86, 34. sich verlaufen (von Wasser): यथोदकं डुर्गे वृष्टं पर्वतेषु विधावति KATHOP. 4, 14. — 2) auseinanderlaufen, zerstreut laufen, weglassen ÇAT. Br. 4, 5, 10, 1. सर्वा दिशो ऽश्चर्याः सोमप्रवाका विधावन्ति PĀṆĀV. Br. 16, 13, 10. यस्य दूतः अथादिधावसि TAITT. ĀR. 4, 29, 1. विधावतो वराहन् RV. 1, 88, 5. AV. 12, 3, 55. (zwischen) durch laufen: यदतरापश्च देवयज्ञं च पन्था विधावेत् KĀTH. 23, 2. durchlaufen: आवासमादीपयतां तीर्थानि च विधावताम् R. GORR. 2, 97, 21. दिशः सर्वा विधावतम् (कापिम्) 5, 16, 14. auf Jmd losrennen: व्यधाविष्ट (v. l. व्यधाधिष्ट) BHATT. 13, 62.

— अनुवि hineinrinnen, einsickern in: तपेयो (पृथिवी) लोहितमनु-व्यधावत् KĀTH. 31, 8. durchströmen: अनु गात्रा वि धावतु RV. 8, 17, 5. einem Andern nach auseinanderinnen, — sich verlaufen: यथोदकं डुर्गे वृष्टं पर्वतेषु विधावति एवं धर्मान्पृथक्पृथक्स्तानेवानुविधावति KATHOP. 4, 14.

— अभिवि herbeietlen zu: डुरो गिरौ अभ्युष्यो वि धाव RV. 10, 29, 3.

— परिवि rings durchlaufen: परि सतिर्न वाज्युः पर्वमानो वि धावति RV. 9, 103, 6. ततः शाखाः प्रशाखाश्च स्कन्धोश्चोत्तमशाखिनाम् । शीघ्रं परि-विधावतं यदा प्राप्तुं न शक्नुयुः ॥ von Ast zu Ast laufend R. 5, 29, 22.

— सम् zusammenlaufen AV. 11, 9, 14. संक्रुद्धाः समधावन्त MBh. 3, 8879. losrennen auf: मत्ताविव महानगावन्वोऽन्यं समधावताम् HARIV. 5617. durchlaufen (?) MBh. 12, 10070.

2. धाव् धावति, ०ते abreiben, reinigen, waschen, putzen, blank machen DUATOP. 15, 92. या दूतो धावते TS. 2, 5, 4, 7. KĀTH. 22, 13. LĪTJ. 9, 2. 19. दधावाद्भिस्ततश्चतुः सुमीवस्य BHATT. 14, 50. धौत्वा (v. l. für धूत्वा) बोधजलैर्बोधबहुलं तल्लोभजन्यं रजः PRAB. 77, 9. कर्दपं सपदि सुधन्वना